संपादकीय

एक थप्पड़ के मायने

घरेलू हिंसा हमारे समाज के लिए कोई अटपटी चीज नहीं है। जहां दो बर्तन होते हैं वहां ठन-ठन होती ही है। हमेशा एक बर्तन ही दूसरे को ठनठनाता है, और जब-तब कुछ ज्यादा ही ठनठना देता है। लेकिन मुहावरा ज्यों का त्यों चलता रहता है, जिंदगी का ढर्रा नहीं बदलता। बहरहाल, समय बदलने के साथ यह सवाल भी खड़ा हो रहा है कि पत्नी के खिलाफ पति की मौखिक और शारीरिक हिंसा को कैसे देखा जाए हाल में रिलीज हुई फिल्म थप्पड़ (पढ़ें: मूवी रिव्यू) में इस मुद्दे को समझ के एक अलग स्तर पर उठाने की कोशिश की गई है। पत्नी के खिलाफ पति की हिंसा पर समाज का ध्यान तभी जाता है जब बात हद से ज्यादा बढ़ जाती है। कोई अपनी पत्नी, अपने बच्चों के प्रति इतना निर्मम कैसे हो सकता है? घरेलू हिंसा (रोकथाम) कानून का दायरा भी क्रूरता के छोर से ही शुरू होता है। घरेलू हिंसा अपने आप में हमारे लिए कोई मुद्दा नहीं होती। सारे सवाल हिंसा की मात्रा से जुड़े होते हैं। लड़कियों की विदाई के समय उन्हें आज भी ऐसी शिक्षा देना आम है कि पति अगर किसी बात पर उखड़ गया, कुछ भला-बुरा बोल गया या कभी गुस्से में उसका हाथ भी उठ गया तो उन्हें अपना संतुलन नहीं खोना चाहिए। ऐसे संस्कारों का ही नतीजा है कि अपने देश में घरेलू हिंसा भले ही घर-घर की कहानी हो, लेकिन थानों में इसकी शिकायतों के आंकड़े आज भी इतने कम हैं कि इस मामले में विकसित देशों की महिलाएं भी भारतीय महिलाओं से ईर्ष्या कर सकती हैं। समस्या की ऐसी झूठी समझ पर सवालिया निशान लगाने के लिए भारत जैसे पुराने समाज को बहुत सारे सांस्कृतिक झटकों की जरूरत पड़ती है। तीन-चार साल पहले आई फिल्म पिंक ने भी हमें ऐसा ही एक झटका दिया था। याद रहे, यौन संबंधों में सहमति को गैरजरूरी मानने वालों में आम लोग ही नहीं, पाश जैसे क्रांतिकारी कवि भी शामिल रहे हैं- युद्ध किसी लड़की की पहली हां जैसी ना है। धारणा यह कि लड़की तो ना ही बोलती है, यह ना कब हां हो जाती है, यही समझने की बात है। पिंक ने इस धारणा को ध्वस्त करते हुए मर्यादा की नई रेखा खींची कि ना का मतलब सिर्फ ना होता है। उम्मीद करें कि दांपत्य में निजता की जगह को लेकर ऐसी ही एक रेखा थप्पड़ट के जरिये लोगों के दिलोदिमाग में खिंचेगी। वैसे, फिल्मों की अपनी सीमाएं होती हैं। उन पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ लादने से बेहतर है, समाज अपने स्तर पर भी ऐसे सवालों से टकराना शुरू करे। दो वयस्क व्यक्ति यों के बीच किसी मसले पर असहमति अगर उनमें से किसी एक को बल प्रयोग की ओर ले जाती है तो इसका अर्थ यही है कि उनमें आपसी संवाद नहीं रह गया है। ऐसे में रिश्ते को बनाए रखने के लिए भले ही कितने भी पवित्र मूल्यों का हवाला दिया जाए, पर हकीकत में उसका टूट जाना ही ठीक होगा।

जनवरी में बैंकों के ऋण की वृद्धि घटकर 8.5 प्रतिशत पर

मुंबई(आरएनएस)। बैंकों के ऋण की वृद्धि दर जनवरी 2020 में घटकर 8.5 प्रतिशत पर आ गई। एक साल पहले समान महीने में यह 13.5 प्रतिशत थी। मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र को ऋण की वृद्धि दर में बड़ी गिरावट से कुल ऋण की वृद्धि दर घटी है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2020 में सेवा क्षेत्र को ऋण की वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रही। जनवरी 2019 में यह 23.9 प्रतिशत थी। समीक्षाधीन महीने में गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को बैंकों के ऋण की वृद्धि दर घटकर 32.2 प्रतिशत पर आ गई, जो एक साल पहले समान महीने में 48.3 प्रतिशत रही थी। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार जनवरी में व्यक्तिगत ऋण (पर्सनल लोन) खंड की वृद्धि दर 16.9 प्रतिशत रही। पर्सनल लोन के तहत आवास क्षेत्र को ऋण की वृद्धि 17.5 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले समान महीने में 18.4 प्रतिशत रही थी। इसी के तहत

शिक्षा के लिए कर्ज 3.1 प्रतिशत घट गया। जनवरी 2019 में शिक्षा के लिए ऋण 2.3 प्रतिशत घटा था। इसी तरह शिक्षा और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋण की वृद्धि दर घटकर 6.5 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 7.6 प्रतिशत थी। उद्योग को ऋण की वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत से घटकर 2.5 प्रतिशत रह गई। बैंकों के ऋण और जमा पर ताजा तिमाही आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर-दिसंबर 2019 के दौरान बैंकों के ऋण की वृद्धि दर घटकर 7.4 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले समान तिमाही में 12.9 प्रतिशत रही थी। तिमाही के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की ऋण की वृद्धि दर 3.7 प्रतिशत रही, जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों का ऋण 13.1 प्रतिशत बढ़ा। 14 फरवरी, 2020 को समाप्त पखवाड़े के दौरान बैंकों का ऋण 6.3 प्रतिशत बढ़कर 100.41 लाख करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले समान पखवाड़े में यह 94.40 लाख करोड़ रुपये रहा था। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन पखवाड़े में बैंकों का जमा 9.2 प्रतिशत बढ़कर 132.35 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 121.19 लाख करोड़ रुपये रहा था।

नडाल ने फ्रिट्ज को हराकर मैक्सिको ओपन का खिताब जीता

लास एंजिलिस। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी रफेल नडाल ने शनिवार को यहां गैरवरीय टेलर फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराकर एटीपी मैक्सिको ओपन का खिताब जीत लिया जो 2020 का उनका पहला खिताब है। नडाल ने अमेरिका के फ्रिट्ज को 6-3, 6-2 से हराकर तीसरी बार मैक्सिको ओपन का खिताब जीता। इससे पहले वह 2013 और 2015 में भी यहां

खिताब जीत चुके हैं। नडाल के करियर का यह 85वां खिताब है। पिछले महीने आस्ट्रेलिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हार के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रहे 33 साल के नडाल ने टूर्नामेंट के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया। इस टूर्नामेंट में नडाल की यह 19वीं जीत है जबकि दो बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

वायरस की वजह से निर्यात बाजार में चीन की 'जगह' ले सकता है भारत : एसोचैम

नयी दिल्ली(आरएनएस)। कोरोना वायरस की वजह से चीन की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। उद्योग मंडल एसोचैम का मानना है कि वायरस की वजह से वैश्विक निर्यात बाजार में चीन के खाली स्थान की जगह भारत ले सकता है। एसोचैम ने यह भी कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स, विशेष प्रकार का रसायन और वाहन निर्यातक कच्चे माल के लिए चीन पर निर्भर हैं और उन्हें

आपूर्ति दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां स्थानीय कारोबारियों के लिए अवसर बढ़े हैं। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा, ''कुछ क्षेत्रों को छोड़कर भारत के बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग निर्यातक चीन द्वारा खाली किए गए बाजार को हासिल कर सकते हैं। कुछ यही स्थिति चमड़ा और चमड़ा सामान क्षेत्र को लेकर भी है।'' उन्होंने कहा कि भारत कृषि और कालीन क्षेत्र में भी अवसर तलाश सकता है। सूद ने कहा, ''चीन के निर्यातक जब अपनी आपूर्ति को सामान्य करने की स्थिति में आ जाएंगे, उस समय भी हमारे कई क्षेत्रों को उससे प्रतिस्पर्धा करने को अपने उत्पादन के स्तर को बेहतर करना होगा।

क्राइस्टचर्च टेस्ट : भारतीय पारी लड़खड़ाई, हार का संकट

क्राइस्टचर्च। भारतीय बल्लेबाज यहां के हाग्ले ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड के साथ जारी दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविवार को पस्त नजर आए। भारत ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में 90 रन के कुल योग पर छह विकेट गंवा दिए हैं। भारतीय टीम को 97 रनों की बढ़त प्राप्त हुई है। दिन का खेल खत्म होने तक हनुमा विहारी पांच और ऋषभ पंत एक रन पर नाबाद लौटे।न्यूजीलैंड की ओर से ट्रेंट बाउल्ट ने तीन विकेट लिए हैं। इसके अलावा टिम साउदी, केल जेमीसन, कोलिन दे ग्रैंडहोम और नील वेगनर को एक-एक सफलता मिली है।चेतेश्वर पुजारा ने अब तक भारत के लिए सबसे अधिक 24 रन बनाए हैं।

मारुति की वाहन बिक्री फरवरी में एक प्रतिशत घटकर 1,47,110 इकाई पर

नयी दिल्ली(आरएनएस)। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की फरवरी में बिक्री 1.1 प्रतिशत घटकर 1,47,110 इकाई रह गई।

एक साल पहले समान महीने में कंपनी ने 1,48,682 वाहन बेचे थे। मारुति ने रविवार को जारी बयान में कहा कि फरवरी, 2020 में उसकी घरेलू बिक्री 1.6 प्रतिशत घटकर 1,36,849 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 1,39,100 इकाई रही

थी। समीक्षाधीन महीने में कंपनी की छोटी कारों...आल्टो और वैगन आर की बिक्री 11.1 प्रतिशत बढ़कर 27,499 इकाई पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान महीने में 24,751 इकाई थी। वहीं कॉम्पैक्ट खंड में स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर की बिक्री 3.9 प्रतिशत घटकर 69,828 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 72,678 इकाई रही थी।

मध्यम वाहन खंड में कंपनी की सियाज कार की बिक्री घटकर 2,544 इकाई रही, जो फरवरी, 2019 में 3,084 इकाई रही थी। हालांकि, समीक्षाधीन अवधि में कंपनी के यूटिलिटी वाहनों विटारा ब्रेजा, एस-क्रॉस और एर्टिगा की बिक्री 3.5 प्रतिशत बढ़कर 22,604 इकाई रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 21,834 इकाई रही थी। फरवरी में कंपनी का निर्यात 7.1 प्रतिशत बढ़कर 10,261 इकाई पर पहुंच गया। एक साल पहले समान महीने में कंपनी ने 9,582 वाहनों का निर्यात किया था।

पेट्रोल, डीजल के दाम में बड़ी गिरावट, लगातार दूसरे दिन मिली राहत

नई दिल्ली(आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम में रविवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई जिससे उपभोक्ताओं को लगातार दूसरे दिन दोनों वाहन ईंधनों की कीमतों में राहत मिली। तेल विपणन कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल के दाम में दिल्ली में 18 पैसे, कोलकाता में 15 पैसे, मुंबई में 16 पैसे जबकि चेन्नई में 17 पैसे प्रति लीटर की कटौती की। डीजल की कीमत दिल्ली में 21 पैसे कोलकाता में 20 पैसे जबकि मुंबई और चेन्नई मे 26 पैसे प्रति लीटर घट गई है।

लगातार दो दिनों में देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 25 पैसे जबकि डीजल 30 पैसे प्रति लीटर सस्ता हो गया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल का दाम घटकर क्रमशः 71.71 रुपये, 74.38 रुपये, 77.40 रुपये और 74.51 रुपये प्रति लीटर हो गया है।चारों महानगरों में डीजल का भाव भी घटकर क्रमशः 64.30 रुपये, 66.63 रुपये, 67.34 रुपये और 67.86 रुपये प्रति हो गया है।अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में आई भारी गिरावट के बाद फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट का सिलसिला शुरू हुआ है। बता दें कि कोरोना वायरस का कहर दुनिया के अनेक देशों में फैलने के कारण कच्चे तेल की मांग घट गई है।

सलमान खान के साथ फिल्म नहीं कर रहे हैं आनंद एल राय

पिछले कुछ दिनों से ऐसी चर्चा रही है कि डायरेक्टर आनंद एल राय ने एक फिल्म के लिए सुपरस्टार सलमान खान से संपर्क किया था। बताया जा रहा था कि इस ऐक्शन फिल्म में सलमान खान का डबल रोल होता। हालांकि अभी तक इस फिल्म की चर्चा के बीच ही आनंद एल राय ने अपनी अगली फिल्म अतरंगी रे की घोषणा कर दी है। इस फिल्म में उन्होंने अक्षय कुमार, धनुष और सारा अली खान को कास्ट किया है।

सलमान के फैन्स आनंद एल राय के साथ उनकी फिल्म के लिए काफी

उत्साहित थे लेकिन इस बीच खबर आई है आनंद के साथ सलमान के फिल्म करने की बात कोरी अफवाह थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल आनंद राय ने एक कॉमिडी ड्रामा फिल्म के लिए संपर्क किया था जिसकी कहानी दो किरदारों के इर्द-गिर्द घूमिती है। हालांकि बाद में सलमान खान ने बताया था कि उन्होंने कभी सलमान खान से किसी स्क्रिप्ट पर चर्चा नहीं की है। वैसे बता दें कि आनंद एल राय ने शाहरुख खान की फिल्म जीरो में सलमान को एक स्पेशल अपीयरेंस के लिए लिया था और दोनों स्टार्स एक सॉन्ग में साथ दिखाई दिए थे। तभी से अंदाजा लगाया जा रहा था कि आनंद अपनी अगली फिल्म के लिए सलमान खान से संपर्क कर सकते हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि आनंद एल राय कब सलमान के साथ काम करते हैं।

मर्दानगी की परिभाषा बदल रही है : दिव्येंदु शर्मा

अभिनेता दिव्येंदु शर्मा ने हाल ही में डिजिटल फिल्म शुक्राणु में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसकी कहानी नसबंदी के बाद एक आदमी के संघर्ष से संबंधित है। यह फिल्म साल 1975 में इमरजेंसी के खिलाफ पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह फिल्म इस बात को साफ करती है कि अगर हम लैंगिक समानता वाले समाज को देखना है, तो हमें जहरीले मर्दानगी भरे रवैये को बदलना होगा।

दिव्येंदु ने कहा, मर्दानगी की परिभाषा बदल रही है, और मैं इसे एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देखता हूं। जिस तरह के विषयों को हम मुख्यधारा के सिनेमा में तलाश रहे हैं, उसे लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। मेरा कहने का मतलब है कि मैं एक आदमी हूं और मुझे यह साबित करने की आवश्यकता नहीं है और सिर्फ इसलिए कि मैं एक आदमी हूं, मैं मर्दानगी के लिए पुराने दकियानुसी रवैया नहीं अपना सकता। मैं एक आदमी हूं, मैं इसे जानता हूं। मुझे यह साबित करने के लिए किसी के साथ भेदभाव करने की जरूरत नहीं है कि मैं हूं असली मर्द। यह कभी फलदायी नहीं होता है।

बिष्णु देव हाल्दार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में श्वेता बसु प्रसाद, शीतल ठाकुर, आकाश दाभाड़े, संजय गुरबक्शानी और राजेश खट्टर भी हैं।

कहानी की प्रमुख बिंदुओं को बताते हुए दिव्येंदु ने कहा, मुझे कहानी में जो सबसे अधिक दिलचस्प लगा, वह यह कि यह बहुत ही व्यक्तिगत और एक मानवीय कहानी है। जब भी हम आपातकाल के बारे में बात करते हैं।

आज का राशिफल

मेष: आज आपको शासन द्वारा सम्मानित किए जाने की संभावना रहेगी।

वृषभ: आज का दिन आप बहुत व्यस्त रहेंगे, ज्यादा भागदौड़ में सावधानी बरतें, पांव में चोट लगने का भय है।

मिथुन: आज आप फिजूल के खर्चे से बचें। यदि आप किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज कष्ट की वृद्धि हो सकती है।

कर्क: भाग्य की दृष्टि से आज का दिन उत्तम रहेगा। आपके परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा।

सिंह: आज का दिन मिश्रित फलकारक है। मानसिक अशांति, खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं।

कन्या: आज आपमें निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को संपन्न करने में सक्षम रहेंगे।

तुला: आज का दिन आपके लिए शुभकारक है। आपके अधिकार व संपत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: आज आपका मन अशांत और परेशान हो सकता है। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं।

धनु: आज आपकी विद्या, ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अंदर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी।

मकर: आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति के साथ साथ ऐसे अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे।

कुंभ: आज का दिन बुद्धि विवके से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। आप सीमित एवं आवश्यकतानुसार ही व्यय करें।

मीन: आज दशम भाव में धनु राशि का बृहस्पति होने के कारण बहुत समय से लटका हुआ पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज व्यक्ति त्व होने के कारण अन्य व्यक्ति आपसे संबंध बनाने की चेष्टा करेंगे।

होली पर बनाएं खस्ता कचौड़ी चाट

सामग्री

मैदा- 1 कप,मूंग दाल- आधा कप,हींग- 1 चुटकी,हरी मिर्च- 1/4 छोटा चम्मच घिसी हुईगरम मसाला पाउडर- 1/4 छोटे चम्मच,अमचूर पाउडर- 2 छोटे चम्मच,रिफाइंड तेल- 1 कप,दही- 3 बड़े चम्मच फेंटी हुई,घी- 2 बड़े चम्मच

जीरा- 1/2 छोटे चम्मच,अदरक- 1/4 छोटे चम्मच घिसा हुआ,धनिया पाउडर- 1/4 छोटे चम्मच,लाल मिर्च पाउडर- 1/2 छोटे चम्मच,बेसन- 1 बड़ा चम्मच,नमक- स्वादानुसार,सेव- 2 बड़े चम्मच,बूंदी- 2 बड़े चम्मच

विधि

एक बाउल में मैदा, बेसन और घी को अच्छी तरह मिला लें. फिर उसमें नमक और थोड़ा पानी डालकर अच्छे से गूंथ लें. इसके बाद इस आटे की छोटी-छोटी लोई बनाकर अलग से रख लें. अब एक पैन को धीमी आंच पर गर्म करके उसमें तेल डालें. इसके बाद इस तेल में 30 सेकंड के लिए हींग और जीरा को चटकाएं. फिर मूंग दाल डालकर एक मिनट के लिए और पका लें.अब इसमें हरी मिर्च का पेस्ट, अदरक पेस्ट, गरम मसाला पाउडर, बेसन, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डाल दें. इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिलाएं और फिर 5 से 6 मिनट के लिए पकने दें.

अब आटे की लोई को छोटे या मध्यम आकार में बेलकर उसमें इस फीलिंग को भरें. फीलिंग को बीच में डालकर अच्छे से ऐसे मोड़ लें कि उनका मसाला बाहर न निकलेडीप फ्राइंग पैन में मध्यम आंच पर तेल गर्म कर लें. फिर कचौड़ियों को सुनहरा भूरा होने तक अच्छे से फ्राई करें. उनका एक्स्ट्रा तेल निकालने के बाद उनके बीच में छेद करके उसमें फेंटी हुई दही, हरी चटनी, इमली चटनी, लाल मिर्च पाउडर, प्याज, जीरा पाउडर, धनिया पत्ती, नमक, सेव और बूंदी डालकर सर्व करें.

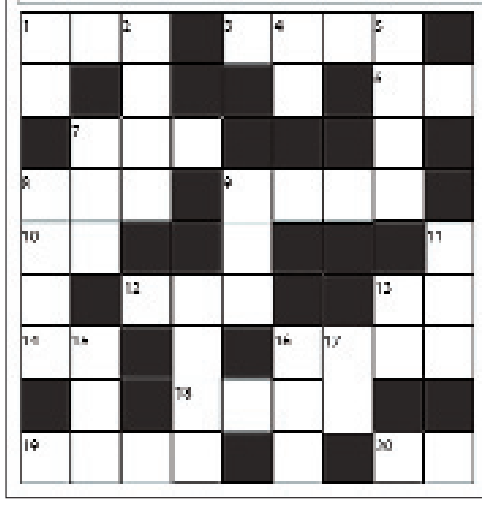

शब्द सामर्थ्य- 50

सू-दोकू- 50

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग हैं,जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बना है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 49 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4